Himavankrita Shambhustuti or Prarthana

हिमवान्कृता शम्भुस्तुतिरेवम् प्रार्थना

Document Information

Text title : Himavankrita Shambhustuti or Prarthana

File name : shambhustutiHhimavAnkRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhavAkhyaH dvitIyAMshaH | adhyAyaH 25 | 24-32||

Latest update : September 16, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

sanskritdocuments.org

हिमवान्कृता शम्भुस्तुतिरेवम् प्रार्थना

भव हर भगवन्पुरान्तकारे प्रमथाधीश हरीन्द्ररुद्रपूज्य ।
विबुधाधिप सर्वमङ्गलाधिनाथ हर गरकन्धर सोमचन्द्रचूड ॥ २४॥

अहिवरवरहारशोभिताङ्ग ह्यगपतिवास महोरुलिङ्गवास ।
खगपतिवहनेत्रपूज्यपाद शम्भो विधिमस्ताभरण प्रसीद देवदेव ॥ २५॥

बलिबलमथनप्रमाथ शम्भो गिरिजानाथ सनाथ याशु (पाहि) माम् ।
मथनोद्भूतसमुद्रतोद्यद्गरहारिन्पमथैकनाथ पाहि ॥ २६॥

धृतगङ्गामलचन्द्रसत्कपर्द निगमोत्तंसविशेषवाक्यतुष्ट ।
भव भावहृदन्तरायनाश गिरिकैलासनिवास पाहि शम्भो ॥ २७॥

गजमुखषण्मुखसन्मुख शङ्कर चित्सुख कमलजमुखमौले ।
शशिमुख(खि)लोकन पञ्चमुखोद्यतलोचन लेखवरोत्तम पाहि ॥ २८॥

अव शिव सदयं भव भवहृदयं कुरुकुरु करुणां शशिमौले ।
वितर विमुक्तिं परिहर बन्धं स्मरहर यमहर भगहर शम्भो ॥ २९॥

भव (अव) पदकमले विदिश सुभक्तिं तव लिङ्गार्चनतः प्रकृष्टभावम् ।
तव पदकमलादरश्च (पदकमलासनं) शम्भो मम सन्मानसमेतदद्य चास्तु ॥ ३०॥

तव लिङ्गामललोकनेऽस्तु नेत्रे तव पादप्रणतौ शिरोऽपि मेऽद्य ।
तब लिङ्गोत्तमपूजनाय हस्तौ तव लिङ्गालयप्रक्रमाय पादौ ॥ ३१॥

शशधरधर हर रथधरधरहर पुरहर शङ्कर गरधर शम्भो ।
जलधरवहनगधर शूलधराव्यय हरिभस्मारुणधर पाहि ॥ ३२॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते भवाख्ये हिमवान्कृता शम्भुस्तुतिरेवं प्रार्थना ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । भवाख्यः द्वितीयांशः । अध्यायः २५ । २४-३२॥

- .. shrIshivarahasyam . bhavAkhyaH dvitIyAMshaH . adhyAyaH 25 . 24-32..

Proofread by Ruma Dewan

Himavankrita Shambhustuti or Prarthana

pdf was typeset on September 16, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*